HINDUSTAN PAGE 8

160 किलोमीटर साइकिल चला लौटे छात्रों का स्वागत

एलयू कुलपति, कुलसचिव ने सैकड़ों विद्यार्थियों का माला पहनाकर स्वागत किया।

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में 160 किलोमीटर की साइकिल यात्रा कर वापस लौटे छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों का कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने माला पहनाकर स्वागत किया। एक देश श्रेष्ठ देश, प्रगति पथ पर हमारा देश स्लोगन संग तीन दिनों की साइकिल यात्रा पूरी कर वापस आए यात्रियों का एलयू परिसर स्थित द्वार संख्या दो पर स्वागत हुआ।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि साइकिल यात्रा के अंतिम दिन की शुरुआत सुबह आठ बजे कुंवर आसिफ अली संजू मियां कॉलेज से हुई। जो रहीमाबाद के गांवों और मलिहाबाद होते हुए काकोरी के शहीद स्थल पहुंची। यहां एलयू के सांस्कृतिकी की ओर से नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की गई। साइकिल यात्रियों ने काकोरी शहीद स्थल का इतिहास जाना। इसके बाद साइकिल यात्रा भाल चंद्रा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट दुबग्गा में पहुंची जहां कॉलेज मैनेजमेंट ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। कॉलेज

03 दिनों में विभिन्न स्थानों से गुजरी साइकिल

- नुक्कड़ नाटक समेत विभिन्न आयोजन हुए
- विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में दिखाई अपनी प्रतिभा

विद्यार्थियों ने वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की। जिसके बाद साइकिल यात्रा यूनिटी डिग्री कॉलेज से होते हुए शहीद स्मारक पार्क, आईआईएम रोड पहुंची, जहां यात्रियों ने अल्प विश्राम किया। फिर साइकिल यात्रा प्रेरणा स्थल के ग्रीन कॉरिडोर से होते हुए कुड़िया घाट होकर एलयू के द्वार संख्या दो स्थित गौरव स्थल पर समाप्त हुई। साइकिल यात्रा ने तीन दिनों में 160 किलोमीटर की यात्रा पूरी की। पहले दिन 45 किलोमीटर, दूसरे दिन 55, तीसरे दिन 60 किलोमीटर की यात्रा पूरी की। प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी समेत अन्य मौजूद रहे।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

भारतीय ज्ञान की परंपरा प्रेरणास्रोत

लखनऊ। संस्कृत विश्वविद्यालय के लखनऊ परिसर में बुधवार को राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. रंजन त्रिपाठी ने कहा, भारतीय ज्ञान परंपरा आज भी विज्ञान, चिकित्सा, गणित और अन्य क्षेत्रों में प्रासंगिकता बनाए है। भारतीय ज्ञान की यह परंपरा हर पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। प्रो. श्रीनिवास ने कहा, विश्व के हर विषय को देखने के लिए भारतीय नजर से देखना जरूरी है। डॉ. डी. दयानाथ ने बताया कि भारत सदियों से ज्ञान का केंद्र रहा है। (संवाद)

20 कोर्सों के परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर की परीक्षा के तहत बुधवार को परास्नातक के 20 कोर्सों के परिणाम जारी कर दिए। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने कहा कि एमए एजुकेशन, हिंदी, अरबी, दर्शनशास्त्र, पॉपुलेशन स्टडीज, अरब कल्चर, एप्लायड आर्ट आदि विषय के परिणाम जारी हुए हैं। (संवाद)

विदेशी छात्रों ने शुरू की कला पत्रिका

लखनऊ। लविवि के विदेशी छात्रों ने परिसर में नई पहल की है। आर्ट्स कॉलेज में पढ़ाई कर रहे इन विद्यार्थियों ने पत्रिका कला मंथन तैयार की है। श्रीलंका के महेश चतुरंगा, कोपालापिल्लई मथीसकुमार ने इस पत्रिका का समन्वयन किया। मॉरीशस के हिमेश बाबूलाल, बांग्लादेश की सुदीप्ता राय, श्रीलंका के मिनोथ मधुशंका, वेनुरा, उदेशिका और अकलंका हेराथ ने लेख का प्रदर्शन किया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE 4

विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के नतीजे घोषित

लखनऊ विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर 2024 की परीक्षाओं के नतीजे घोषित कर दिए हैं. एमए (शिक्षा, अरबी, मनोविज्ञान, हिंदी, जनसंख्या अध्ययन, अरबी संस्कृति) और एमबीए (कैपेन विजुअलाइजेशन, इलस्ट्रेशन, फोटोग्राफी, एप्लाइड आर्ट, सेरामिक्स, क्रिएटिव पेंटिंग, लैंडस्केप पेंटिंग, म्यूरल, पेंटिंग, पोर्ट्रेट पेंटिंग, प्रिंटमेकिंग, ब्रांज कास्टिंग, पोर्ट्रेट एंड लाइफ, टेराकोटा/सेरामिक्स) समेत विभिन्न पाठ्यक्रमों के परिणाम शामिल हैं.

JAGRAN CITY PAGE III

160 किमी. की साइकिल यात्रा पूरी

लखनऊ विश्वविद्यालय के गौरव स्थल पर साइकिल यात्रा में शामिल विद्यार्थी, शिक्षक का कुलपति ने स्वागत किया • जागरण

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से त्रिदिवसीय साइकिल यात्रा 'एक देश, श्रेष्ठ देश, प्रगति पथ पर हमारा देश' बुधवार को पूरी हुई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 24 मार्च को विवेकानंद द्वार से इस यात्रा का शुभारंभ किया था। तीन दिनों में 160 किलोमीटर की दूरी तय कर साइकिल यात्रियों ने देशभक्ति और स्वच्छता का संदेश दिया।

यात्रा के अंतिम दिन सुबह आठ बजे कुंवर आसिफ अली संजू मियां महाविद्यालय से रवाना हुई साइकिल रैली रहीमाबाद और मलिहाबाद होते हुए काकोरी शहीद स्थल पहुंची। यहां लखनऊ विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक दल ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। यात्रा भाल चंद्र इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट, यूनिटी डिग्री कालेज, शहीद स्मारक पार्क और कैरियर डिग्री कालेज से प्रेरणा स्थल, ग्रीन कारिडोर और कुड़िया घाट होते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के गौरव स्थल पर समाप्त हुई। समापन समारोह में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने स्वागत किया। इस अवसर प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी, क्रीड़ा परिषद महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य, प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव समेत कई शिक्षक, अधिकारी और विद्यार्थी मौजूद रहे। यात्रा का संचालन कौशल सिंह वर्धवाल, डा. अरुण कुमार, डा. रजनीश यादव और डा. मोहम्मद तारिक ने किया। यह आयोजन क्रीड़ा परिषद, फिजिकल एजुकेशन विभाग, एनएसएस इकाई और कालेज डेवलपमेंट काउंसिल के प्रयास से हुआ। इसमें 500 से भी अधिक संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

एकेटीयू की साइकिल यात्रा ने किया भ्रमण

डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) से नैमिषारण्य के लिए निकली तीन दिवसीय साइकिल यात्रा के दूसरे दिन नैमिषारण्य के विभिन्न धार्मिक ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर उन स्थानों के वैदिक सांस्कृतिक और ऐतिहासिकता को छात्रों ने जाना। यात्रा का पूरा समन्वय अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी सिंह ने किया। शाम को यात्रा हरदोई के भरावन निकली।

AMRIT VICHAR PAGE 6

सैन्य व मेडिकल भूगोल की भी पढ़ाई करेंगे लविवि छात्र

परंपरागत पाठ्यक्रम के साथ भूगोल की पढ़ाई करेंगे विद्यार्थी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में छात्र-छात्राएं परंपरागत भूगोल पाठ्यक्रम के अलावा आधुनिक भूगोल का भी अध्ययन करेंगे। जिसमें कई नए प्रश्नपत्रों को शामिल किया जा रहा है। नई शिक्षा नीति के तहत भूगोल विभाग सैन्य भूगोल और मेडिकल भूगोल को भी अपने पाठ्यक्रम में प्रश्नपत्र शुरू कर रहा है। जिसमें छात्रों को क्षेत्रीय भूगोल के मुताबिक जहां रोग और स्वास्थ्य का अध्ययन किया जाएगा तो देश की सीमाओं से संबंधित भूगोल को भी पढ़ाया जाएगा। नए प्रश्नपत्र दो वर्ष के परास्नातक पाठ्यक्रम के साथ ही एक वर्ष के परास्नातक पाठ्यक्रमों में भी अनिवार्य किया जा रहा है। इन पाठ्यक्रमों की विशेषता है कि यह भारतीय भौगोलिक परिस्थितियों, पर्यावरण, मौसम, क्षेत्रीय विविधताओं आदि को समझने में छात्र-छात्राओं की समझ को बेहतर विकसित करेंगे। इसके अलावा देश के धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों से अवगत होंगे, भौगोलिक डाटा विश्लेषण, टूरिज्म, कृषि उपज, जलसंसाधन, ग्रामीण विकास आदि में भी पारंगत होंगे। इसके अलावा क्षेत्रीय भौगोलिक प्रदेशों में बीमारियों, उनसे बचाव आदि के बारे में जानेंगे।

▸▸ 6 नए प्रश्नपत्रों को जोड़ रहा है लविवि का भूगोल विभाग

> नए प्रश्नपत्र आधुनिक जरुरतों के हिसाब से हैं जिससे छात्रों को व्यापक लाभ होगा। लखनऊ विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को अद्यतन रखने उनके ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।
>
> **-डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव,** भूगोल विभागाध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय

यह होंगे 6 नए प्रश्नपत्र

मेडिकल भूगोल एक प्रश्नपत्र होगा जिसमें भौगोलिक प्रदेश की बीमारियों से संबंधित पढ़ना होगा। इसके अलावा जीओ इंफार्मेटिवस में भौगोलिक तथ्यों के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी। तीसरे प्रश्नपत्र में टूरिज्म भूगोल चौथे में ग्रामीण विकास, पांचवे प्रश्नपत्र में जलसंसाधन और छठें प्रश्नपत्र में सैन्य भूगोल पढ़ाया जाएगा जिसमें सीमाओं के बारे में उनके भौगोलिक स्थितियों, भाषा, खानपान समेत सभी पहलुओं से अवगत कराया जाएगा।

भाषा विवि के विद्यार्थी सीखेंगे इनोवेशन एंड डिजाइन थिंकिंग

अमृत विचार, लखनऊ: कलाम प्रगति और एरा फाउंडेशन के सहयोग से इनोवेशन एंड डिजाइन थिंकिंग कोर्स की शुरुआत एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी में की गई। इस कोर्स में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 60 विद्यार्थियों को शिक्षा दी जाएगी। जिसका उद्देश्य उन्हें महत्वपूर्ण कौशल प्रदान करना और व्यावसायिक जीवन के लिए तैयार करना है। कोर्स का उद्घाटन बुधवार को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय में किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को नवाचार और डिजाइन थिंकिंग जैसे आधुनिक कौशल से सशक्त करना हमारे शिक्षा के दृष्टिकोण का हिस्सा है। यह कोर्स उन्हें भविष्य में सफलता प्राप्त करने के लिए तैयार करेगा। वहीं विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट समिति के अध्यक्ष प्रो. सैयद हैदर अली ने इस कोर्स के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा यह कोर्स छात्रों को एक नया दृष्टिकोण और समस्या हल करने के कौशल से परिचित कराएगा, जो उनके व्यक्तिगत और प्रोफेशनल विकास में सहायक होगा।

वापस लौटा साइकिल दल, कुलपति ने किया स्वागत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

वापस लौटे साइकिल दल के साथ मौजूद कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों का त्रिदिवसीय साईकिल यात्रा एक देश श्रेष्ठ देश, प्रगति पथ पर हमारा देश स्लोगन के साथ आरंभ हुआ था। जिसका समापन बुधवार को दल के वापसी के साथ हो गया। साइकिल दल के वापस लौटने पर कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय ने स्वागत किया। बुधवार को यात्रा आसिफ अली संजू मियां महाविद्यालय से शुरू होकर रहीमाबाद के गांवों और मलिहाबाद से होते हुए काकोरी के शहीद स्थल पहुंची। यात्रा के कैरियर डिग्री कॉलेज पहुंचने पर इसका स्वागत किया गया। इसके बाद साइकिल यात्रा प्रेरणा स्थल के ग्रीन कॉरिडोर से होते हुए कुड़िया घाट होकर लखनऊ विश्वविद्यालय के गेट न. 2 के गौरव स्थल पर समाप्त हुई।

समापन समारोह में साइकिल यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी, क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य, प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, कॉलेज डेवेलपमेंट काउंसिल के डीन प्रो. अवधेश कुमार, आइक्यूएसी की निदेशक प्रो. संगीता साहू, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर वी के शर्मा, एडिशनल प्रॉक्टर प्रोफेसर ओपी शुक्ला, सांस्कृतिकी की निदेशक प्रो. आंचल श्रीवास्तव विश्वविद्यालय के एनसीसी इकाई के अध्यक्ष प्रोफेसर राजेश शुक्ल उपस्थित रहे।